सामाजिक विज्ञान

(भूगोल)

अध्याय-9: रेगिस्तान में जीवन

SHIVOM CLASSES 8696608541

रेगिस्तान

जिस शुष्क प्रदेश में अत्यधिक गर्मी या अत्यधिक सर्दी पड़ती है, बहुत कम वर्षा होती है और नाममात्र वनस्पति उगती है उसे रेगिस्तान कहते हैं। जिस जगह पर पानी की कमी हो, मवेशियों के चरने के लिए कोई चारा न हो, वहाँ जिंदा रहना कितना मुश्किल हो सकता है इसका अनुमान आप आसानी से लगा सकते हैं। तमाम मुश्किलों के बावजूद रेगिस्तान में भी लोग रहते हैं।

भारत में गर्म रेगिस्तान – 'थार' और भारत में ठंडा रेगिस्तान – 'लद्दाख'

- विश्व का गर्म रेगिस्तान सहारा
- एशिया का गर्म रेगिस्तान गोबी
- भारत का गर्म रेगिस्तान थार

सहारा मरुस्थल

सहारा मरुस्थल विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल है। यह अफ्रीकी महाद्वीप में स्थित है। इसका क्षेत्रफल लगभग 8.54 मिलियन वर्ग किमी है, जो भारत के आकार का लगभग तीन गुना है। सहारा रेगिस्तान ग्यारह देशों, अल्जीरिया, चाड, मिस्र, लीबिया, माली, मॉरिटानिया, मोरक्को, नाइजर, सूडान, ट्यूनीशिया और पश्चिमी सहारा में फैला हुआ है।

सहारा रेगिस्तान के बारे में सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह कभी हरा-भरा मैदान था जहां हाथी, शेर, जिराफ, भेड़ और मवेशी जैसे कई जानवर रहते थे। वैज्ञानिकों को रेगिस्तान में मछलियों के कंकाल मिले हैं। जलवायु में क्रमिक परिवर्तन ने इस क्षेत्र को मरुस्थल में बदल दिया।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नखलिस्तान (Oasis)

एक नखलिस्तान रेगिस्तान में एक हरा-भरा द्वीप है जो आमतौर पर खजूर से घिरा होता है। एक नखलिस्तान तब बनता है जब हवाएँ रेत को गड्ढा बनाकर उड़ा देती हैं। जब भूमिगत जल अवसाद की सतह पर पहुँचता है, तो एक नखलिस्तान बनता है। नखलिस्तान एक उपजाऊ क्षेत्र है जहां लोग खजूर और कुछ फसलें उगा सकते हैं। हालांकि, आम तौर पर एसे छोटे जल निकाय होते हैं, उनमें से कुछ बहुत बड़े भी हो सकते हैं। मोरक्को में तफ़िलालेट ओएसिस एक बार इतना बड़ा नखलिस्तान है जिसका क्षेत्रफल 13,000 वर्ग किमी है।

मरुस्थलीय क्षेत्र में बहुत से लोग नखलिस्तान (Oasis) के आसपास बसते हैं

जलवायु

- सहारा मरुस्थल की जलवायु अत्यंत गर्म और शुष्क है।
- जैसे-जैसे तापमान अधिक होता है, वाष्पीकरण की दर भी अधिक होती है।
- दिन गर्म होते हैं और कई बार तापमान लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। 1922 में अल अज़ीज़ा, लीबिया में सहारा रेगिस्तान में उच्चतम तापमान 57.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।
- रात के दौरान, तापमान आमतौर पर शून्य डिग्री तक गिर जाता है।

रहवासी

- चरम जलवायु के कारण सहारा मरुस्थल बहुत कम आबादी वाला है।
- यहां रहने वाले लोगों के दो मुख्य समूह बेडौइन्स और तुआरेग हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

• ये खानाबदोश जनजातियाँ हैं जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती हैं। इन जनजातियों के लोग बकरी, ऊंट, भेड़ और घोड़ों जैसे जानवरों को पालते हैं। ये जानवर उन्हें दूध और चमड़ा प्रदान करते हैं।

• यहां रहने वाले लोग भारी वस्त्र पहनते हैं जो उन्हें धूल भरी आंधी और गर्म हवाओं से बचाता है।

• सहारा रेगिस्तान में बसे हुए निवासी ज्यादातर मिस्र में नील नदी घाटी के नखलिस्तान में रहते हैं। पानी की उपलब्धता उन्हें खजूर और चावल, जौ, गेहूं और बीन्स जैसी फसलें उगाने की सुविधाए देती है। मिस्र में कपास भी उगाया जाता है।

• इस क्षेत्र में खनिजों के विशाल भंडार ने लोगों के जीवन को बदल दिया है। तेल लोगों की आय का प्रमुख स्रोत है। यहां तेल के अलावा लोहा, मैंगनीज, यूरेनियम और फास्फोरस भी पाया जाता है।

• सहारा मरुस्थल का बसा हुआ क्षेत्र लगातार परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कई कांच की इमारतों का निर्माण किया गया है और ट्रकों का उपयोग नमक व्यापार के उद्देश्य से किया जाता है।

• कई खानाबदोश जनजातियाँ शहरों में विशेष रूप से तेल और गैस संचालन से जुड़े संगठनों में काम कर रही हैं।

बेडौइन्स

वनस्पति एवं प्राणिजात

कैक्टस, खजूर के पेड़ एवं एकेशिया पाए जाते हैं। ऊँट, लकड़बग्घा, सियार, लोमड़ी, बिच्छू, साँपो की विभिन्न जातियाँ एवं छिपकलियाँ यहाँ के प्रमुख जीव-जंतु हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- मोरक्को में टैफिलालेट मरुघान ऐसा ही विशाल मरुघान है, जो 13,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है।
- ये उपजाऊ क्षेत्र होते हैं। इनके आसपास निवास करते हैं एवं खजूर के पेड़ तथा अन्य फसलें उगाते हैं।
- मरुघान-खजूर के पेड़ो से घिरे हरित द्वीप पाए जाते है।

लद्दाख - एक ठंडा रेगिस्तान

लद्दाख एक ठंडा रेगिस्तान है जो जम्मू और कश्मीर के पूर्वी क्षेत्र में स्थित महान हिमालय में स्थित है। लेह लद्दाख की राजधानी है। यह क्षेत्र उत्तर में काराकोरम रेंज और दक्षिण में ज़ांस्कर पर्वत से घिरा है। सिंधु नदी इस क्षेत्र से होकर बहती है। लद्दाख गंगरी ग्लेशियर जैसे कई ग्लेशियरों का घर है।

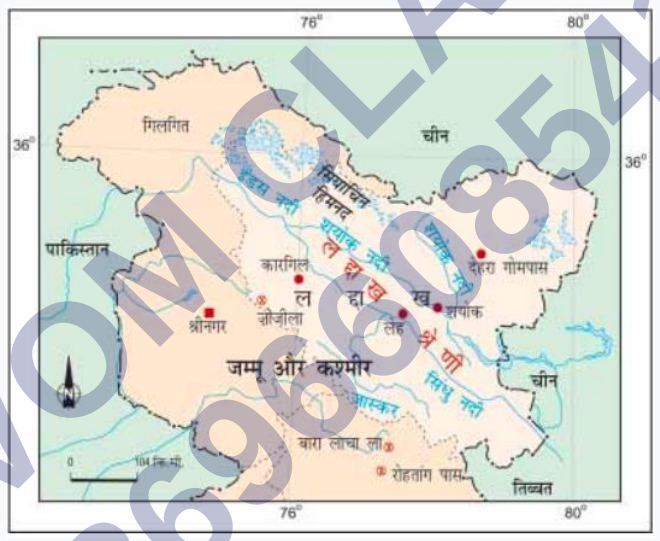

लद्दाख

जलवायु

- लद्दाख काफी ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां की जलवायु बेहद ठंडी और शुष्क है।
- चूंकि इतनी ऊंचाई पर हवा पतली होती है, इसलिए सूर्य की गर्मी को तीव्रता से महसूस किया जा सकता है।
- जबकि दिन के दौरान, तापमान शून्य डिग्री से ऊपर बढ़ सकता है, रात में तापमान -30 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।
- सर्दियों के दौरान तापमान आमतौर पर -40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

• लद्दाख हिमालय की वर्षा छाया में स्थित है। इसका मतलब यह है कि यह क्षेत्र पहाड़ों द्वारा बारिश वाली हवाओं से सुरक्षित है। वर्षा बहुत कम होती है और हर साल मुश्किल से 10 सेमी से अधिक बारिश होती है।

• इस क्षेत्र में दिन के समय तेज धूप के साथ ठंडी हवाएं चलती हैं।

वनस्पति और जीव

• अत्यधिक जलवायु और कम वर्षा के कारण वनस्पति कम है, हालांकि जानवरों के चरने के लिए कम ऊंचाई पर बहुत सारी घास पाई जा सकती है।

• विलो और पोपलर पेड़ों की दो प्रजातियां हैं जो आमतौर पर इस क्षेत्र में पाई जाती हैं।

• गर्मी के दिनों में लोग सेब, खुबानी और अखरोट जैसे फल उगाते हैं।

• रेडस्टार्ट, रॉबिन, तिब्बती स्नोकॉक और रेवेन पक्षियों की कुछ प्रजातियां हैं जो यहां पाई जा सकती हैं।

• जंगली भेड़, जंगली बकरियां और याक जैसे जानवर आमतौर पर पाए जाने वाले कुछ जानवर हैं। इन जानवरों को उनके दूध और दूध उत्पादों के लिए पाला जाता है। भेड़ों को ऊन के लिए पाला जाता है।

• तिब्बती मृग या चिरू को लुप्तप्राय प्रजातियों के रूप में चिन्हित किया गया है। यह ऊन के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है जिसे शाहतोश के नाम से जाना जाता है जो अपने हल्के वजन के लिए जाना जाता है।

स्थानीय रहवासी

• लद्दाख में अधिकांश लोग या तो मुसलमान हैं या बौद्ध हैं। इस क्षेत्र में कई बौद्ध मठ पाए जा सकते हैं। यहां के कुछ प्रसिद्ध मठ हेमिस, शे और लामायुरु हैं।

• लोग आलू, जौ, मटर, बीन्स और शलजम की खेती करते हैं।

• सर्दियों के दौरान, लोग विभिन्न उत्सवों और समारोहों को मनाते हुए घर के अंदर रहते हैं।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

• लद्दाख में महिलाएं बहुत मेहनती हैं क्योंकि वे घर, खेतों में काम करती हैं, छोटे व्यवसायों का प्रबंधन करती हैं और दुकानों की देखभाल करती हैं।

• इस क्षेत्र में पर्यटन एक प्रमुख गतिविधि है क्योंकि बहुत से लोग बर्फ से ढके पहाड़ों, ग्रोम्पा और हिमनदों की यात्रा करते हैं।

• चूंकि लोगों के लिए बहुत कम संसाधन उपलब्ध हैं, वे किसी भी संसाधन को बर्बाद नहीं करते हैं। क्षेत्र के लोग प्रकृति के साथ सद्भाव में रहते हैं।

• लेह राष्ट्रीय राजमार्ग 1ए के माध्यम से कश्मीर घाटी से जुड़ा हुआ है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 63)

प्रश्न 1 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

1. विश्व में कौन – से दो प्रकार के रेगिस्तान पाए जाते है ?
2. सहारा रेगिस्तान किस महाद्वीप में स्थित है ?
3. लद्दाख रेगिस्तान की जलवायुगत परिस्थितियाँ क्या हैं ?
4. लद्दाख में पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण क्या हैं ?
5. सहारा रेगिस्तान के लोग किस प्रकार के वस्त्र पहनते हैं?
6. लद्दाख में उगने वाले पेड़ों के नाम बताएँ।

उत्तर –

1. विश्व में दो प्रकार के रेगिस्तान पाए जाते है:- ठंडा रेगिस्तान और गर्म रेगिस्तान।
2. सहारा रेगिस्तान विश्व का सबसे बड़ा रेगिस्तान है। यह अफ्रीका महाद्वीप में स्थित है। यह लगभग 8.54 लाख वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। सहारा रेगिस्तान ग्यारह देशों से घिरा हुआ है। ये देश हैं – अल्जीरिया, चाड, मिस्र, लीबिया, माली, मौरितानिया, मोरक्को, नाइजर, सूडान, ट्यूनिशिया एवं पश्चिमी सहारा ।
3. अधिक ऊँचाई के कारण यहाँ की जलवायु अत्यधिक शीतल एवं शुष्क होती है। इस ऊंचाई पर वायु पर परत पतली होती है, जिससे सूर्य की गर्मी की अत्यधिक तीव्रता महसूस होती है। ग्रीष्म ऋतु में दिन का तापमान 0° सेल्सियस से कुछ ही अधिक होता है एवं रात में तापमान शून्य से -30 ° सेल्सियस से नीचे चला जाता है। शीत ऋतु में यह बर्फीला ठंडा हो जाता है, तापमान लगभग हर समय – 40° सेल्सियस से नीचे ही रहता है। यह क्षेत्र बर्फीली हवाओं एवं तेज जलाने वाले सूर्य ताप का अनुभव करता है। यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि यदि आप सूर्य की धूप में इस तरह बैठें कि आपके पैर छाया में हों, तो आप एक साथ एक समय पर ही ऊष्माघात एवं तुषार – उपघात से ग्रसित हो सकते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

4. लद्दाख का मुख्य क्रियाकलाप पर्यटन है देश – विदेश से अनेक पर्यटक यहाँ पर्यटन के लिए आते हैं। गोंपा – दर्शन, घास के मैदानों व हिमनदों की सैर एवं उत्सवों तथा अनुष्ठानों को देखना यहाँ के प्रमुख पर्यटक आकर्षण है। आधुनिकीकरण के फलस्वरूप के जनजीवन में परिवर्तन आ रहा है लेकिन लद्दाख के लोगों ने शताब्दियों से प्रकृति के साथ समन्वय एवं संतुलन करना सीखा है।
5. धूल भरी आँधियो एवं गर्म वायु से बचने के लिए सहारा रेगिस्तान के लोग भारी वस्त्र पहनते है।
6. लद्दाख़ में उगने वाले पेड़ों के नाम शरपत (विलो), पॉपलर, सेब, खुमानी एवं अखरोट है।

प्रश्न 2 सही (√) उत्तर चिह्नित कीजिए:-

1. सहारा अफ्रीका के किस भाग में स्थित है?
   (i) दक्षिणी (ii) उत्तरी (iii) पश्चिमी
2. सहारा किस प्रकार का रेगिस्तान है?
   (i) ठंडा (ii) गर्म (iii) मृदु
3. लद्दाख़ रेगिस्तान के अधिकांश निवासी हैं –
   (i) ईसाई एवं मुसलमान (ii) बौद्ध एवं मुसलमान (iii) ईसाई एवं बौद्ध
4. रेगिस्तान की विशेषता है-
   (i) विरल वनस्पति (ii) अधिक वर्षण (iii) अल्प जलवाषण
5. लद्दाख़ में ‘ हेमिस ‘ प्रसिद्ध है-
   (i) मंदिर (ii) चर्च (iii) बौद्ध मठ
6. मिस्त्र निम्नलिखित फसल के लिए प्रसिद्ध है-
   (i) गेहूँ (ii) मकई (iii) कपास

उत्तर –

1. उत्तरी
2. गर्म
3. बौद्ध एवं मुसलमान

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

4. विरल वनस्पति
5. बौद्ध मठ
6. कपास

प्रश्न 3 निम्नलिखित स्तंभों को मिलाकर सही जोड़े बनाइए:-

(क) मरूद्यान	(i) लीबिया
(ख) बेदूईन	(ii) बौद्ध मठ
(ग) तेल	(iii) हिमनद
(घ) गैंग्री	(iv) जल के साथ गर्त
(ड़) लामायुरू	(v) ठंडा रेगिस्तान
	(vi) सहारा

उत्तर –

(क) मरूद्यान	(iv) जल के साथ गर्त
(ख) बेदूईन	(vi) सहारा
(ग) तेल	(i) लीबिया
(घ) गैंग्री	(iii) हिमनद
(ड़) लामायुरू	(ii) बौद्ध मठ

प्रश्न 4 कारण बताइए:-

1. रेगिस्तान में अत्यल्प वनस्पति होती है।
2. सहारा रेगिस्तान के लोग भारी वस्त्र पहनते हैं।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1. रेगिस्तान में अत्यल्प वनस्पति इसलिए होती है क्योंकि रेगिस्तान की जलवायु बहुत गर्म और शुष्क होती है। वर्षा भी बहुत कम होती है।
2. सहारा रेगिस्तान की जलवायु बहुत गर्म और शुष्क है। यहाँ तेज़ धूलभरी आँधियाँ आती है। सहारा रेगिस्तान के लोग तेज़ आँधियों, गर्म तथा शुष्क जलवायु से बचने के लिए भारी वस्त्र पहनते है।

प्रश्न 5 मानचित्र कौशल:-

1. अफ्रीका के मानचित्र पर सहारा रेगिस्तान एवं इसके आस पास किन्हीं चार देशों को चिह्नित करें ।

   उत्तर –

2. भारत के रूपरेखा मानचित्र पर काराकोरम श्रेणी , सास्कर श्रेणी , लद्दाख एवं शोजीला दर्रा को चिह्नित करें ।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

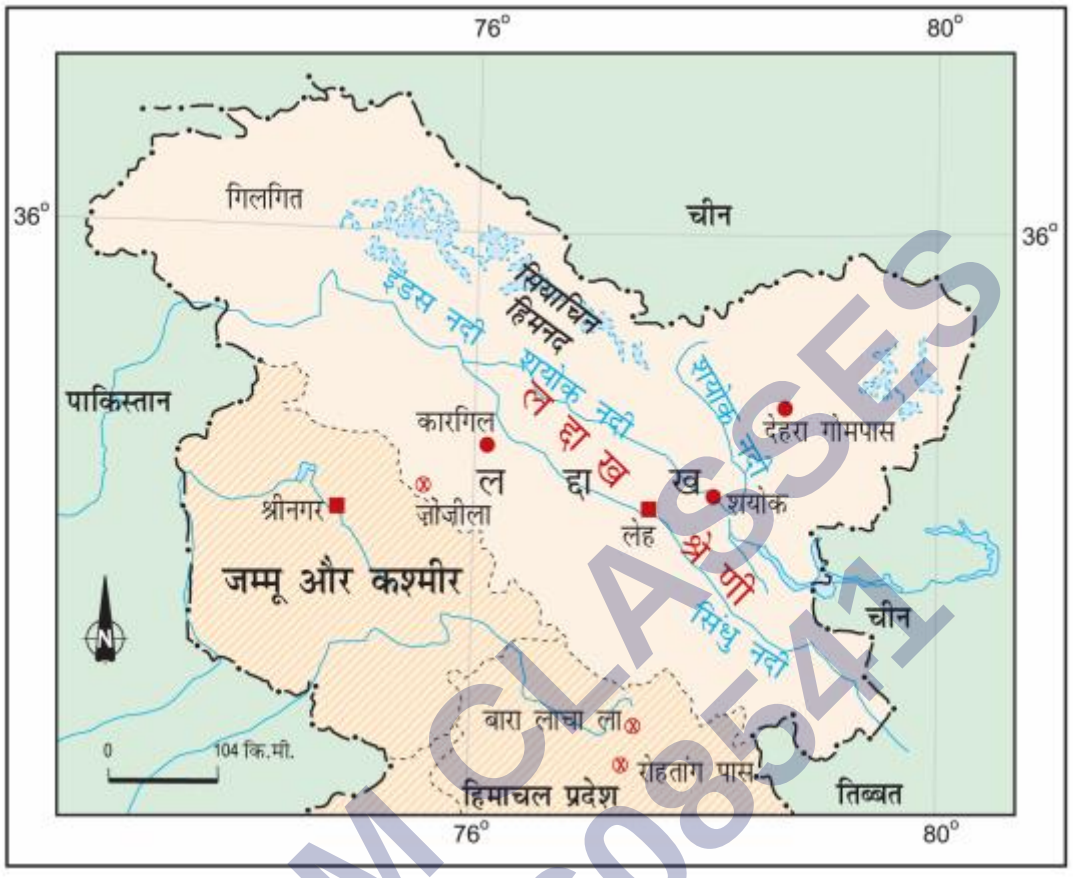

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)